संगम

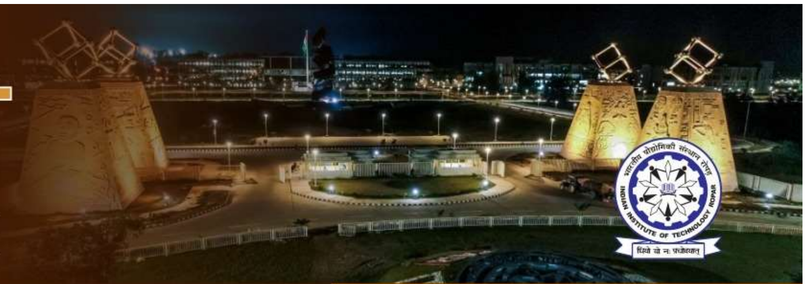

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ की हिन्दी पत्रिका

अक्टूबर - दिसंबर 2022

मुद्रण संस्करण 04 अंक 04

निदेशक की कलम से....!

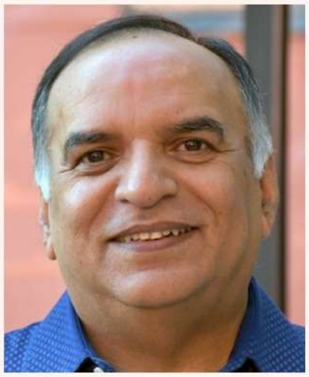

मैं आशान्वित हूँ कि वर्ष 2023 आप आपका परिवार और आपके प्रियजनों के लिए आनंद, शांति और बेहतर स्वास्थ्य लेकर आएगा। नूतन वर्ष का प्रभात बीते वर्ष की हमारी उपलब्धियों पर प्रसन्नता का अनुभव करने का समय है और साथ ही एक बेहतर भविष्य के लिए हमारी कार्यनीति को निर्धारित करने का उत्तम समय है। मैं इस अवसर पर प्रौद्यो. स्नातक, प्रौद्यो. निष्णात, विज्ञान निष्णात, पीएच.डी और अन्य कार्यक्रमों के उन स्नातक छात्रों को बधाई देता हूं जिन्हें 11वें दीक्षांत समारोह में उपाधि प्रदान की गई। मुझे पूर्ण आशा है संस्थान से उपाधिप्राप्त छात्र राष्ट्रनिर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित करेंगे।

आई.आई.टी. रोपड़ एक ऐसे शैक्षिक मिशन पर है जो शैक्षणिक, सामाजिक और व्यक्तिगत रुप से परिवर्तनकारी है। हमारे इस मिशन में "सहयोग और नवाचार" हमारे मार्गदर्शक सिद्धांत हैं, जो संस्थान की प्रत्येक गतिविधि में न केवल परिलक्षित होते हैं अपितु हमारे पाठ्यक्रमों में स्पष्ट रुप से दृष्टिगोचर होते है। जैसा कि आप जानते हैं, यह महीना एक नए वर्ष के आरंभ तथा नए लक्ष्यों एवं आकांक्षाओं की स्थापना का प्रतीक है। आईआईटी रोपड़ परिवार ने हमारी सभी विशेषज्ञता को एक साथ लाने और संस्थान और समाज के सतत विकास के लिए प्रौद्योगिकियों की शक्ति का इष्टतम उपयोग करने के दृढ़ संकल्प के साथ मिलकर काम करने के लिए सामान्य लक्ष्य निर्धारित किए हैं। हम वर्ष 2022 में रक्षा और सुरक्षा, जनगणना डेटा केंद्र के क्षेत्र में तथा शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में संयुक्त शैक्षिक कार्यक्रमों में उद्योग और शिक्षा जगत के साथ अपनी सहयोगात्मक कार्यनीति में परिपक्व हुएं है।

संस्थान समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सक्षम भविष्य के नेतृत्व को प्रोत्साहित एवं पोषित करता है। आईआईटी रोपड़ का मजबूत संकाय-छात्र संबंध, नवोन्मेषी समाधानों का विकास और अन्वेषण करना, छात्रों को समाज में निरंतर चुनौतियों का सामना करने के लिए विकसित करना आदि में स्पष्ट रुप से परिलक्षित होता है।

पारिस्थितिक रूप से स्फूर्तिदायक वातावरण में स्थित, आईआईटी रोपड़ एक ऐसे स्थान का प्रतीक है जहां प्रतिभा को पोषित किया जाता है, तैयार किया जाता है और कॉर्पोरेट दुनिया में लॉन्च किया जाता है। आने वाला वर्ष नई चुनौतियाँ और अवसर लेकर आ सकता है, लेकिन मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके निरंतर समर्थन, सहयोग और हमारे एकीकृत प्रयासों से हम इस यात्रा में उत्कृष्टता प्राप्त करते रहेंगे। मैं पुनः वर्ष 2023 में आप सभी की खुशी, स्वास्थ्य और सफलता की कामना करता हूं।

संस्थान का 11वां दीक्षांत समारोह

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ (आईआईटी रोपड़) का ग्यारहवां वार्षिक दीक्षांत समारोह दिसंबर 2022 में हुआ। ट्राइडेंट ग्रुप इंडिया के संस्थापक और अध्यक्ष राजिंदर गुप्ता इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे।

प्रोफेसर राजीव आहूजा, निदेशक, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने अपना वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और संकाय, कर्मचारियों और छात्रों को बधाई दी। संकाय, कर्मचारियों, छात्रों, अभिभावकों और प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति में उपाधियां प्रदान की गईं। इस साल, 564 छात्रों ने भा.प्रौ.सं. रोपड़ में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों से स्नातक किया।

वर्ष 2021-22 में प्रौद्योगिकी स्नातक के स्नातक छात्रों के बीच सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए राष्ट्रपति स्वर्ण पदक और निदेशक स्वर्ण पदक कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग के हंसिन किशोर आहूजा को प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि श्री राजिंदर गुप्ता, जिन्होंने दीक्षांत अभिभाषण दिया, श्री गुप्ता ने साझा कियाः हमें आप जैसे ज्ञानी नेताओं की आवश्यकता है - शिक्षित विशेषज्ञ जो व्यापार और उद्योग को यह समझने में मदद कर सकते हैं कि इस जानकारी को उपयोग योग्य बुद्धिमत्ता में कैसे बदला जाए, और मूल्यवान अंतर्दृष्टि और खोज करने के लिए डेटा को केवल एकत्रित करने से चतुराई से जोड़ने के लिए कैसे आगे बढ़ें।आप भारत जैसे विकासशील देश के लिए आवश्यक प्रतिभा पूल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे, बिग डेटा परिदृश्य को प्रभावी ढंग से नेविगेट करने और उद्योगों से संबंधित कई क्षेत्रों में इसे पूरी तरह से उपयोग करने के लिए एवं विश्लेषणात्मक कौशल प्रदान करने के लिए। डॉ. के. राधाकृष्णन, माननीय अध्यक्ष, अधिशासी मंडल, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने दीक्षांत समारोह के दौरान अपने विचारों को सभी के साथ साझा करते हुए कहा कि अकादमिक उत्कृष्टता भा.प्रौ.सं. रोपड़ का आधार है। उन्होंने परिसर में अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र की प्रशंसा की, जैसा कि शोध के परिणामों और प्रकाशनों से स्पष्ट है।

समाचार, आयोजन तथा गतिविधियाँ

Ropar IIT tops globally in graduate quality index

TRIBUNE NEWS SERVICE

ROPAR, OCTOBER 3

The Indian Institute of Technology (IIT), Ropar, has been ranked top globally in 'graduate quality index' as measured by their earning potential.

To create a standardised cross-border measure of 'quality' of students based on their alma maters, Minneapolis Fed Senior Research Economist Todd Schoellman (with co-authors Paolo Martellini and Jason Sockin from University of Wisconsin-Madison and University of Pennsylvania, respectively) taps a massive international database from the career site Glassdoor.

Vast data lets researchers take sample of 2 million workers who obtained a bachelor's degree from 3,368 different colleges in 66 countries around the world to construct average earnings of graduates.

As per Jeff Horwich, senior economics writer at Federal Reserve Bank of Minneapolis: "Graduates of Ropar IIT are not just among the best of India. They could be the most promising students on the planet, at least as measured by their earning potential."

Ropar IIT director Rajeev Ahuja said the data helps an institute to know that graduate quality matters for a number of outcomes of interest for growth and development.

"Graduates of Ropar IIT could be the most promising students on the planet, at least as measured by their earning potential.
Jeff Horwich

ग्रेजुएट क्वालिटी इंडेक्स में भा.प्रौ.सं. रोपड़ अव्वल

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने कॉलेज ग्रेजुएट क्वालिटी ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन इंडेक्स में पहला स्थान हासिल किया- फेडरल रिजर्व सिस्टम द्वारा प्रकाशित एक शोध पत्र। विशाल डेटासेट शोधकर्ताओं को दुनिया भर के 66 देशों में 3.368 विभिन्न कॉलेजों से स्नातक की डिग्री प्राप्त करने वाले 2 मिलियन श्रमिकों का नमूना लेने की अनुमति देता है, ताकि उनके पूर्व छात्रों की कमाई की शक्ति से दुनिया भर के कॉलेजों के स्नातकों की औसत आय का निर्माण किया जा सके। भा.प्रौ.सं. रोपड़ सर्वश्रेष्ठ में से एक रहा।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने किया नेतृत्व शिखर वार्ता का आयोजन

भा.प्रौ.सं. रोपड़ के छात्र समुदाय ने 14-16 अक्टूबर 2022 को नेतृत्व शिखर वार्ता का आयोजन किया जिसमें उद्योग, शिक्षा जगत और प्रशासन के विभिन्न हितधारकों को आमंत्रित किया गया ताकि वे विभिन्न क्षेत्रों के सामने आने वाली विभिन्न प्रगति और चुनौतियों पर चर्चा कर सकें। पहले दिन की वार्ता सुश्री शैलेंद्र कौर आईएफएस, निदेशक बागवानी द्वारा प्रस्तुत की गई और हमारे समाज में प्रतिभा पलायन की लगातार समस्या और देश में युवा प्रतिभा को बनाए रखने के महत्व पर जोर देने पर टिप्पणी की। नेतृत्व शिखर वार्ता के तीसरे दिन प्रोफेसर राजीव आहूजा, निदेशक, भा.प्रौ.सं. रोपड़ और श्री सोमवीर आनंद, इनोवेशन मिशन निदेशक, पंजाब ने यूजी और पीजी/पीएचडी के बीच की खाई को पाटने और कोर कंपनियों के लिए छात्रों को प्रशिक्षण देने में इसकी भूमिका पर जोर दिया।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया

भा.प्रौ.सं. रोपड़ में " एक विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत " विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। भा.प्रौ.सं. रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा ने संकाय और कर्मचारियों को शपथ दिलाकर सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उद्घाटन किया।

डॉ सोमदेव कर, मुख्य सतर्कता अधिकारी, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने सभी कर्मचारियों को हमारे समाज के कल्याण के लिए अच्छे कॉर्पोरेट प्रशासन के लिए ईमानदारी और अखंडता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए संस्थान द्वारा उठाए गए नैतिक व्यवसाय प्रथाओं और प्रभावी उपायों के प्रति संवेदनशील बनाया।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने एकता दौड़ 2022 का आयोजन किया

भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाने के लिए भा.प्रौ.सं. रोपड़ में "एकता दौड़" का आयोजन किया गया। भा.प्रौ.सं. रोपड़ के निदेशक प्रोफेसर राजीव आहूजा ने दौड़ को झंडी दिखाकर रवाना किया।

दौड़ लगभग 4 किलोमीटर की थी और लगभग 200 छात्रों ने इस एकता दौड़ में भाग लिया। प्रतिभागियों ने मातृभूमि की एकता को सर्वोपरि रखने की शपथ ली, जिसका संचालन भा.प्रौ.सं. रोपड़ के निदेशक ने किया। सरदार पटेल की स्थायी विरासत का जश्न मनाने के लिए हरी-भरी और तेज हवा के बीच उद्देश्य की भावना से ओत-प्रोत धावकों ने सुबह-सुबह सुरम्य परिसर को जीवंत कर दिया। एकता और अखंडता के प्रदर्शन के रूप में इस कार्यक्रम का आयोजन आउटडोर एक्टिविटी क्लब (ODAC) और इंस्टीट्यूट स्टूडेंट मेंटरशिप प्रोग्राम (ISMP) और संस्थान के खेल अनुभाग द्वारा किया गया था।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ में क्वार्टर मैराथन का आयोजन

फिटनेस क्लब और ओडीएसी, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने भारत सरकार द्वारा फिट इंडिया अभियान के तहत गांधी जयंती 2022 के शुभ अवसर पर स्वास्थ्य, तंदुरूस्ती और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए 11 किमी क्वार्टर मैराथन और 5 किमी फन रन का आयोजन किया। यह कार्यक्रम आज के युवाओं के बीच फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रायोजित किया गया था।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ नए छात्रों का अभिविन्यास कार्यक्रम के साथ स्वागत करता है

आज के नवागंतुक, कल के नेता के विजन के साथ, 2022 बैच के लिए नवागंतुक अभिविन्यास कार्यक्रम भा.प्रौ.सं. रोपड़ में निर्धारित किया गया था, जो इतनी नई ऊर्जा, उत्साह, हंसी और जीवंतता के साथ शक्ति से भरपूर दिन था। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ के सभी नवागंतुक में 2022 बैच में 79 लड़कियां और 321 लड़के शामिल हैं। इस अवसर पर भा.प्रौ.सं. रोपड़ के निदेशक प्रोफेसर राजीव आहूजा ने संस्थान का संक्षिप्त परिचय दिया।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने 'जनजाति गौरव दिवस' मनाया

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई, जिसमें आदिवासी विरासत पर बातचीत और स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों के योगदान पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। भगवान बिरसा मुंडा एक प्रतिष्ठित स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक और देश के श्रद्धेय आदिवासी नेता थे जिन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार की शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी। भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करने के लिए 'जनजाति गौरव दिवस' मनाया।

डॉ सुव्रोकमल दत्ता द्वारा विशेषज्ञ वार्ता

डॉ. सुव्रोकमल दत्ता, जो विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समाचार चैनलों के साथ एक प्रमुख राजनीतिक और विदेश नीति विशेषज्ञ भी हैं, ने भा.प्रौ.सं. रोपड़ का दौरा किया और विश्व राजनीति की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के बारे में संक्षेप में चर्चा की और कैसे ब्रिटेन से संयुक्त राज्य अमेरिका में सत्ता स्थानांतरित हुई और कैसे भारत विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है इस पर अपने विचार रखे।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने महिलाओं के विरुद्ध भेदभाव और हिंसा पर राष्ट्रव्यापी पखवाड़ा का आयोजन किया

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ ने महिलाओं के विरुद्ध भेदभाव और हिंसा पर राष्ट्रव्यापी पखवाड़े (25 नवंबर से 10 दिसंबर) का आयोजन किया। पखवाड़ा के दौरान विभिन्न वार्ताओं और संगोष्ठियों का आयोजन किया गया जिसमें महिलाओं के विरुद्ध हिंसा को समाप्त करने के अधिनियमों पर प्रकाश डाला गया। संस्थान ने सत्यनिष्ठा से महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के उन्मूलन पर अपनी एकजुटता की घोषणा की और आग्रह किया कि इस दिशा में हर संभव प्रयास किया जाए ताकि महिलाओं के विरुद्ध सभी प्रकार के भेदभाव के उन्मूलन के लिए बनाए गए विभिन्न अधिनियम आम तौर पर ज्ञात और सम्मानित हों।

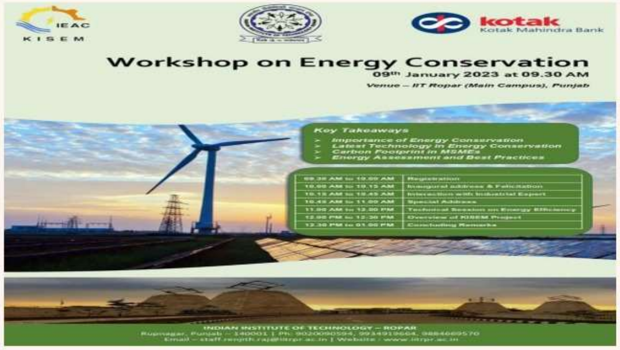

भा.प्रौ.सं. रोपड़ में "उर्जा संरक्षण" पर कार्यशाला का आयोजन

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने हाल ही में भा.प्रौ.सं. मद्रास और कोटक महिंद्रा बैंक के सहयोग से कोटक भा.प्रौ.सं. मद्रास सेव एनर्जी मिशन (KISEM) नामक एक परियोजना शुरू की है। इस परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य एमएसएमई के लिए उनकी ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और उनके समग्र कार्बन पदचिह्न को कम करने के लिए निःशुल्क उर्जा मूल्यांकन करना है। आई आई टी रोपड़ में KISEM का उद्देश्य पंजाब और आसपास के राज्य ऊर्जा दक्षता और उर्जा संरक्षण के साथ बाहर स्थित MSME उद्योगों की सेवा करना है। इस संदर्भ में, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने उद्योगों के लिए "उर्जा संरक्षण" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया था। भारतीय उद्योगों के डीकार्बोनाइजेशन में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए एमएसएमई के प्रतिनिधियों को इस कार्यशाला में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने "वीर बाल दिवस" मनाया

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ ने 26 दिसंबर को "वीर बाल दिवस" के रूप में मनाया, जो कि अंतिम सिख गुरु, गुरु गोबिंद सिंह के चार बेटों, साहिबजादों के साहस और न्याय प्रियता को श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया गया।

छात्रों को साहिबजादों के साहस और देशभक्ति के ऐतिहासिक कार्यों से परिचित कराने के लिए फिल्म "चार साहिबजादे" दिखाई गई। वीर बाल दिवस उस दिन को याद करता है जब साहिबजादा जोरावर सिंह जी और साहिबजादा फतेह सिंह जी को एक दीवार में जिंदा सील कर शहीद कर दिया गया था। इन दोनों महापुरुषों ने धर्म के महान सिद्धांतों से विचलित होने के बजाय मृत्यु को प्राथमिकता दी।

अनुसंधान और नवाचार

Ropar IIT develops mobile-based app for epilepsy patients

TRIBUNE NEWS SERVICE

ROPAR, OCTOBER 21

In order to provide a major relief to epilepsy patients, Indian Institute of Technology, Ropar, has developed a mobile-based app, Epilepto Systems, through which an automatic call can be initiated just before a seizure.

The app has been developed by Professor Ashish Sahani of department of biomedical engineering and his student Rahul Shukla. The team also comprises Krishnu RS and Hemant Kumar Chhatar of IIT, Ropar, Dr Gagandeep Singh, Brinder Singh Paul, Ranjit Kaur and Arun Khokhar from Dayanand Medical College and Hospital, Ludhiana.

The emergency call and messaging service informs about the patient's location to caretaker contacts with just a click on the alert button. Prof Sahani said epilepsy was one of the most common neural disorder affecting nearly 50 million people across the globe.

Prof Sahani said the patients get an instinct about the seizure before it happens and they can alert their caretaker.

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने एक मोबाइल-आधारित ऐप, एपिलेप्टो सिस्टम विकसित किया है

मिर्गी के रोगियों को एक बड़ी राहत प्रदान करने के लिए, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने एक मोबाइल-आधारित ऐप, एपिलेप्टो सिस्टम्स विकसित किया है, जिसके माध्यम से दौरा पड़ने से ठीक पहले एक स्वचालित कॉल शुरू की जा सकती है। इस ऐप को जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. आशीष साहनी और उनके छात्र राहुल शुक्ला ने विकसित किया है। टीम में भा.प्रौ.सं. रोपड़ के कृष्णु आर एस और हेमंत कुमार छतर, दयानंद मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, लुधियाना के डॉ. गगनदीप सिंह, ब्रिंदर सिंह पॉल, रंजीत कौर और अरुण खोखर भी शामिल हैं। आपातकालीन कॉल और संदेश सेवा केवल अलर्ट बटन पर एक क्लिक के साथ केयरटेकर संपर्कों को रोगी के स्थान के बारे में सूचित करती है। मिर्गी दुनिया भर में लगभग 50 मिलियन लोगों को प्रभावित करने वाली सबसे आम तंत्रिका संबंधी विकारों में से एक है।

Neck sensor developed for better health of cattle

TRIBUNE NEWS SERVICE

ROPAR, NOVEMBER 6

A Pune-based start-up Areete Business Solutions with support of the Indian Institute of Technology (IIT), Ropar, has developed a neck sensor with collar arrangement for cattle. It provides timely alerts on various health and heat condition of the cattle.

The 'cattle health and heat monitoring solution' measures various cattle parameters, including rumination, body temperature, activity level, heat cycle, lameness and GPS location.

According to Srinivas Subramanian, founder and MD of Areete Business Solutions, the cattle collar has been tested on more than 100 cattle giving exceptional accuracy above 90 per cent in various farms across Maharashtra.

The sensor in the collar sends all data to a cloud server and it is processed using AI-based analytics models with custom algorithms.

Prof Neeraj Goel, who headed the team for developing the software, said the sensor-based device helps in identifying the main challenges in cattle management for farmers. Along with detection, it will also alert and notify farmers to take necessary steps to upkeep their cattle.

These alerts are provided through a mobile app and web browser and farmers can use these notifications for enhancing productivity and predicting diseases of the cattle.

The Tribune Mon, 07 November 2022 https://epaper.tribuneindia.com/c/70788685

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने विकसित किया नेक सेंसर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ ने पुणे स्थित स्टार्ट-अप अरीते बिजनेस सॉल्यूशंस के सहयोग से मवेशियों के लिए कॉलर व्यवस्था के साथ एक नेक सेंसर विकसित किया है जो मवेशियों के विभिन्न स्वास्थ्य और गर्मी की स्थिति पर समय पर अलर्ट प्रदान करता है। 'मवेशी स्वास्थ्य और गर्मी निगरानी समाधान' विभिन्न मवेशी पैरामीटरों को मापता है, जिसमें शरीर का तापमान, गतिविधि स्तर, गर्मी चक्र, और लंगड़ापन और जीपीएस स्थान शामिल हैं।

पुरस्कार और मान्यता

भा.प्रौ.सं. रोपड़ के प्रोफेसरों को दुनिया के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में स्थान दिया गया है

प्रो. राजीव आहूजा, निदेशक, भा.प्रौ.सं. रोपड़, प्रो. हरप्रीत सिंह, प्रोफेसर (यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग), प्रो. नरिंदर सिंह, प्रोफेसर (रसायन विज्ञान विभाग), डॉ. राजेन्द्र श्रीवास्तव, प्रोफेसर (रसायन विज्ञान विभाग), डॉ. राकेश कुमार मौर्य, सह प्राध्यापक (यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग), डॉ. मुकेश कुमार, सह प्राध्यापक (भौतिकी विभाग), डॉ. रंजन दास, सह प्राध्यापक (यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग), डॉ. सुब्रह्मण्यम मुराला, सह प्राध्यापक (विद्युत अभियांत्रिकी विभाग), डॉ. नागराजा सी. मल्लाह, सह प्राध्यापक (रसायन विज्ञान विभाग), डॉ. अभिनव धाल, सहायक प्राध्यापक (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) तथा भा.प्रौ.सं. रोपड़ के रसायन विज्ञान विभाग का एक पोस्ट डॉक शोधार्थी डॉ. अर्जुन बेहरा ने हाल ही में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए और एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित एक सर्वेक्षण में शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में जगह बनाई है।

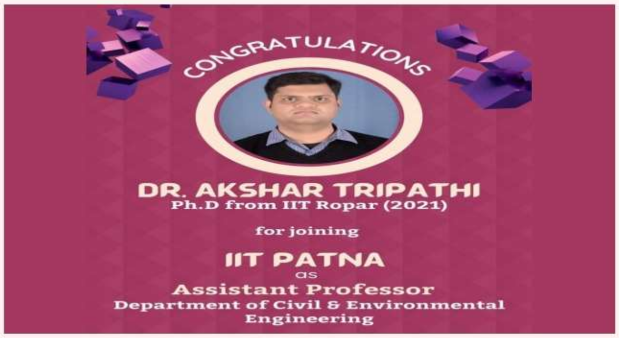

आई आई टी रोपड़ के पूर्व छात्र आई आई टी पटना में सहायक प्रोफेसर के रूप में शामिल हुए

डॉ. अक्षर त्रिपाठी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ से पीएचडी (2021) ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना में सिविल और पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यग्रहण किया।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने आईआईटी मंडी में आयोजित वार्षिक खेल सम्मेलन 2022 में पदक जीते

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ के 73 छात्रों के दल ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मंडी वार्षिक खेल उत्सव रण-नीति'2022 में 10 स्वर्ण पदक, 2 रजत पदक और 4 कांस्य पदक जीते। श्री सावन कुमार ने एथलेटिक्स में बेस्ट एथलीट ऑफ द चैंपियनशिप स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

डॉ. भावेश गर्ग "प्रो. एम जे मनोहर राव पुरस्कार" से सम्मानित

भा.प्रौ.सं. रोपड़ के संकाय डॉ. भावेश गर्ग, सहायक प्राध्यापक, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग को "प्रो. एम जे मनोहर राव पुरस्कार" वर्ष 2022 से पुरस्कृत किया गया। यह पुरस्कार द इंडियन इकोनोमेट्रिक सोसाइटी (TIES) द्वारा 35 वर्ष से कम आयु के युवा अर्थशास्त्रियों को उनके अनुसंधान के लिए प्रदान किया जाता है।

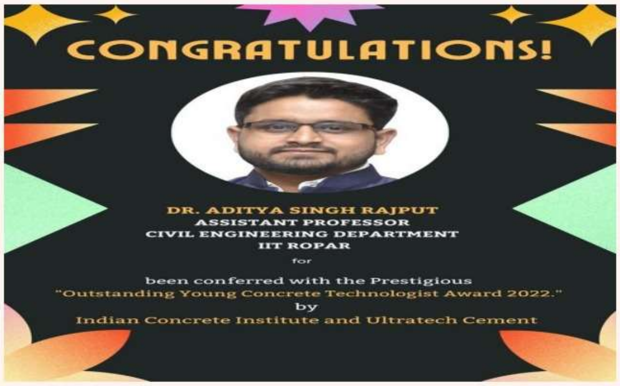

डॉ. आदित्य सिंह राजपूत "आउटस्टैंडिंग यंग कंक्रीट टेक्नोलॉजिस्ट अवार्ड 2022" पुरस्कार से सम्मानित

भा.प्रौ.सं. रोपड़ के संकाय डॉ. आदित्य सिंह राजपूत, सहायक प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी विभाग को इंडियन कंक्रीट इंस्टीट्यूट और अल्ट्राटेक सीमेंट द्वारा "सस्टेनेबल कंक्रीट" के क्षेत्र में उनके कार्य के लिए प्रतिष्ठित "आउटस्टैंडिंग यंग कंक्रीट टेक्नोलॉजिस्ट अवार्ड 2022" पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

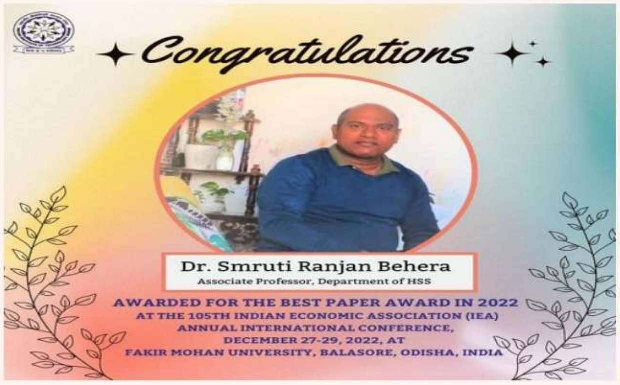

डॉ. स्मृति रंजन बेहरा सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार से सम्मानित

भा.प्रौ.सं. रोपड़ के संकाय डॉ. स्मृति रंजन बेहरा, सह प्राध्यापक, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग को 105वें भारतीय आर्थिक संघ (IEA) के वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रतिनिधि मंडल का दौरा

माननीय वस्त्र मंत्री श्री पीयूष गोयल के साथ बैठक

प्रो. राजीव आहूजा, निदेशक, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने पूरे भारत के आधार पर संपूर्ण तकनीकी वस्त्र क्षेत्र के समग्र विकास के लिए चर्चा और कार्य करने तथा मेक इन इंडिया प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए मिशन संचालन समूह के दौरान माननीय वस्त्र मंत्री श्री पीयूष गोयल से मुलाकात की।

जनरल अनिल चौहान के साथ बैठक

प्रो. राजीव आहूजा, निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ ने जनरल अनिल चौहान पीवीएसएम यूवाईएसएम एवीएसएम एसएम वीएसएम, गांधीनगर में डिफेंस एक्सपो के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों के वर्तमान और दूसरे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के साथ बैठक की। सीडीएस को रक्षा, एयरोस्पेस और सुरक्षा के क्षेत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ द्वारा की जा रही महत्वपूर्ण पहलों से अवगत कराया गया।

समझौता ज्ञापन

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने पंजाब रिमोट सेंसिंग सेंटर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने रिमोट सेंसिंग और भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के लिए अनुसंधान और शैक्षणिक सहयोग बढ़ाने और भू सूचना विज्ञान में प्रगति करने के लिए पंजाब रिमोट सेंसिंग सेंटर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने डलहौजी यूनिवर्सिटी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ ने डलहौजी यूनिवर्सिटी की यात्रा को भा.प्रौ.सं. रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा ने सभी विभागों के विभागाध्यक्षों के साथ देखा, जो एक बहुत ही सफल प्रयास था, जो दोनों संस्थानों के बीच एक गहरा जुड़ाव ला सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के मूल्य को स्वीकार करने और कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी छात्रों के लिए एक संयुक्त डॉक्टरेट कार्यक्रम स्थापित करने के लिए दोनों संस्थानों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ ने एमएसएमई क्षेत्र के लिए डीकार्बोनाइजेशन और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के लिए पर्यावरण और सतत विकास पर आधारित कोटक महिंद्रा बैंक - आईआईटीएम सेव एनर्जी मिशन परियोजना को निष्पादित करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मण्डी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने संयुक्त पीएचडी कार्यक्रम और दो संस्थानों के बीच वैज्ञानिक-तकनीकी नेटवर्क साझा करने के लिए भा.प्रौ.सं. मण्डी के साथ हाथ मिलाया। यह पहल शिक्षण और सीखने के संदर्भ में स्नातक कार्यक्रमों को साझा करने और संयुक्त पीएचडी कार्यक्रम के लिए अनुसंधान सहयोग को गति देने के लिए नए रास्ते का विस्तार करेगी। संस्थान संयुक्त रूप से अनुसंधान एवं विकास, संगोष्ठियां, कार्यशालाएं, वेबिनार, सम्मेलन, सतत शिक्षा कार्यक्रम भी आयोजित करेंगे। इसके अतिरिक्त, वे शिक्षण/प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए छात्रों, पीएचडी, पोस्टडॉक्टोरल विद्वानों और संकाय के आदान-प्रदान को भी बढ़ावा देंगे। भा.प्रौ.सं. रोपड़ के निदेशक प्रोफेसर राजीव आहूजा और भा.प्रौ.सं. मण्डी के निदेशक प्रोफेसर लक्ष्मीधर बेहरा ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने दयानंद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (DMCH) लुधियाना के साथ समझौता ज्ञापन किया

भा.प्रौ.सं. रोपड़ और डीएमसीएच लुधियाना ने स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों और ट्रांसलेशनल क्लिनिकल अनुसंधान के नैदानिक परीक्षणों का पता लगाने, नैदानिक और इंजीनियरिंग अनुसंधान के लिए डेटा साझा करने, नैदानिक और इंजीनियरिंग दोनों पहलुओं के साथ संयुक्त शैक्षिक और अनुसंधान कार्यक्रमों के निर्माण के लिए हाथ मिलाया।

इस समझौता में सहयोग में नवाचार और उद्यमिता संचालित अवसरों और संसाधनों में भागीदारी, परामर्श और अनुसंधान परियोजनाएं, वैज्ञानिक-तकनीकी नेटवर्क और बुनियादी ढांचे को साझा करना भी शामिल होगा।

दोनों संस्थानों के संकाय सदस्य एक-दूसरे की प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं का उपयोग करके अनुसंधान करने पर काम करेंगे और वे शोध कार्य में सहयोग करेंगे और प्रासंगिक शोध पत्र लिखेंगे।

समझौता ज्ञापन पर प्रोफेसर राजीव आहूजा, निदेशक भा.प्रौ.सं. रोपड़ और डॉ. गुरप्रीत वांडर, अध्यक्ष आरएंडडी, डीएमसीएच, लुधियाना ने हस्ताक्षर किए।

राजभाषा गतिविधियाँ

आई.आई.टी. रोपड़ में नराकास रुपनगर की अर्धवार्षिक बैठक का आयोजन

नराकास रुपनगर की अर्धवार्षिक बैठक का आयोजन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ में संपन्न हुआ। इस बैठक में आई.आई.टी. रोपड़ के निदेशक प्रोफेसर राजीव आहूजा विशेष आमंत्रित के रुप में निमंत्रित थे। वहीं बैठक में पर्यवेक्षक के रुप में श्री कुमार पाल शर्मा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली और श्री मनमीत एस व्यास, उप महाप्रबंधक एवं अंचल प्रबंधक, यूको बैंक, चण्डीगढ़ तथा नराकास रुपनगर के अध्यक्ष श्री अमिष नाथ झा विशेष रुप से उपस्थित थे।

बैठक में पर्यवेक्षक के रुप में श्री कुमार पाल शर्मा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने नराकास रुपनगर के अंतर्गत आने वाले सभी संस्थानों/कार्यालयों/बैंकों की अर्धवार्षिक रिपोर्ट की समीक्षा की तथा आवश्यक स्थानों को इंगित करते हुए हिंदी में कार्य के अपने प्रतिशत को किस प्रकार बढ़ाया जा सकता है इसपर सभी नराकास रुपनगर के सदस्यों का मार्गदर्शन किया।

इस अवसर पर आई.आई.टी. रोपड़ के निदेशक प्रोफेसर राजीव आहूजा जी ने श्री कुमार पाल शर्मा जी का स्वागत किया तथा प्रोफेसर आहूजा जी ने उपस्थित सदस्यों को संबोधित करते हुए अपने अपने कार्यालयों में हिंदी के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने हेतु आवश्यक कदम उठाने की अपील की। प्रोफेसर राजीव आहूजा जी ने आई.आई.टी रोपड़ में राजभाषा तथा हिंदी के प्रति सदस्यों के रुझानों को ध्यान में रखते हुए की गई पहलों की भी विस्तृत जानकारी सभी नराकास सदस्यों को दी।

सम्मेलनों में सहभागिता

द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन, सूरत, गुजरात

दिनांक 14-15 सितम्बर, 2022 को गुजरात राज्य के सूरत में माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी की अध्यक्षता में संपन्न हिंदी दिवस तथा द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में डॉ. अभिषेक तिवारी, संकाय प्रभारी हिंदी, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने सहभागिता ली।

संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन, अमृतसर, पंजाब

दिनांक 03 नवंबर, 2022 को पंजाब राज्य के अमृतसर में माननीय गृह राज्य मंत्री श्री अजय कुमार मिश्रा जी की अध्यक्षता में संपन्न एक दिवसीय संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में प्रोफेसर नवीन कुमार, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने सहभागिता ली।

सम्मेलन के दौरान नराकास रुपनगर राजभाषा शील्ड से पुरस्कृत

वर्ष 2021-22 "ख" क्षेत्र में नराकास वर्ग में नराकास रुपनगर को प्रथम क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार प्राप्त हुआ।

हिंदी टाइपिंग के 64वें सत्र (अगस्त 2022-जनवरी 2023) के पंजीकृत सदस्यों हेतु 4 दिवसीय आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

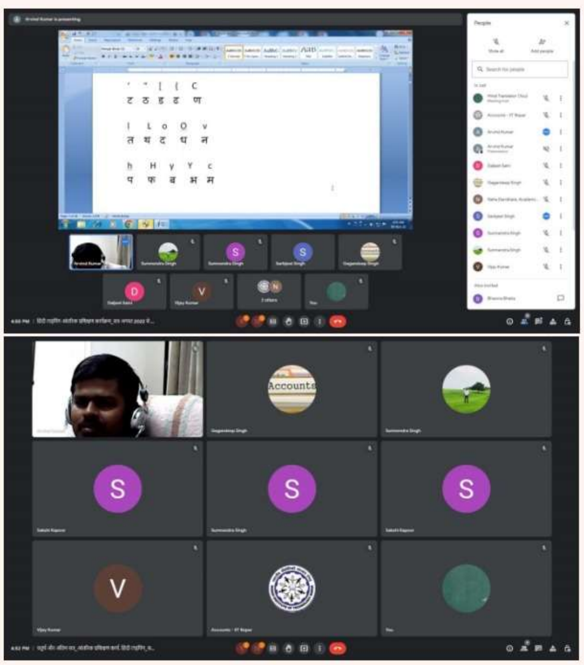

प्रशिक्षक महोदय का पत्र टाइपिंग का अभ्यास कराते हुए

प्रशिक्षक महोदय सारणी लेखन/टाइपिंग का अभ्यास कराते हुए

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ के 10 सदस्य केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित किए जा रहे हिंदी शब्द संसाधन (हिंदी टाइपिंग) प्रशिक्षण कार्यक्रम में 64वें सत्र हेतु पंजीकृत किए गए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की अवधि 01 अगस्त 2022 से जनवरी 2023 तक है तथा इसकी परीक्षा माह जनवरी 2023 में प्रस्तावित है।

इस सत्र की परीक्षा को केंद्र में रखकर संस्थान के पंजीकृत सदस्यों की तैयारी को बेहतर बनाने के उद्देश्य से हिंदी प्रकोष्ठ ने दिनांक 09, 10, 14 और 15 नवंबर 2022 को 04 दिनों के आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रुप में श्री अरविंद कुमार, सहायक निदेशक, हिंदी टंकण एवं आशुलिपि प्रशिक्षण केंद्र, हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, चण्डीगढ़ केंद्र को आमंत्रित किया गया था।

दिनांक 09 नवंबर 2022 को संपन्न आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम सत्र में प्रशिक्षक महोदय ने प्रशिक्षणार्थियों को हिंदी कुंजीपटल का परिचय एवं इसकी व्यावहारिकता , दिनांक 10 नवंबर 2022 के द्वितीय सत्र में मुख्य रुप से व्याकरणिक चिन्हों का अभ्यास, गति अभ्यास आदि, दिनांक 14 नवंबर 2022 के सत्र में सारणी बनाना तथा सारणी बनाते हुए ध्यान रखे जाने वाले बिंदु, विभिन्न पत्रों का टंकण आदि तथा दिनांक 15 नवंबर 2022 को हस्तलेख पर मार्गदर्शन करते हुए विभिन्न प्रूफ शोधन चिन्हों की पहचान तथा चारों सत्रों का पुनरावलोकन किया।

इस आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के चतुर्थ एवं अंतिम सत्र में संस्थान के हिंदी अधिकारी श्री लगवीश कुमार ने श्री अरविंद कुमार, सहायक निदेशक का धन्यवाद ज्ञापित किया और सभी प्रशिक्षणार्थियों को परीक्षा में उत्तम अंकों से उत्तीर्ण होने हेतु शुभकामनाएं दी।

अंत में, सभी प्रशिक्षणार्थियों ने इस 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में अपने विचारों को अभिव्यक्त किया और सभी ने श्री अरविंद कुमार, सहायक निदेशक महोदय का बहुत ही सरलता के साथ हिंदी टाइपिंग के विविध पक्षों पर मार्गदर्शन एवं अभ्यास कराने हेतु धन्यवाद किया।

दिनांक 06 दिसंबर 2022 को आनलाइन हिंदी कार्यशाला का आयोजन

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में हिंदी प्रकोष्ठ, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने अक्टूबर-दिसंबर 2022 तिमाही के दौरान हिंदी कार्यशाला का आयोजन संपन्न किया। संस्थान का हिंदी प्रकोष्ठ प्रति तिमाही एक कार्यशाला का आयोजन संपन्न करता आ रहा है। इसी क्रम में, दिनांक ०६ दिसंबर 2022 को आनलाइन माध्यम से हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य संस्थान सदस्यों को हिंदी कंप्यूटिंग के विभिन्न आयामों से परिचित करना था। अतः इस विषय पर संस्थान सदस्यों का मार्गदर्शन करने हेतु श्री नरेन्द्र कुमार प्रसाद, उप निदेशक एवं मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को विशेष रुप से आमंत्रित किया गया था। इस कार्यशाला में संस्थान के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर अपनी सहभागिता दर्ज की।

इस कार्यशाला के आरंभिक चरण में, संस्थान के हिंदी अधिकारी एवं संयुक्त कुलसचिव श्री लगवीश कुमार ने औपचारिक स्वागत करते हुए श्री नरेन्द्र कुमार प्रसाद जी का भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की ओर से स्वागत एवं अभिवादन किया।

अपने मार्गदर्शन पर वक्तव्य में श्री नरेन्द्र कुमार प्रसाद, उप निदेशक ने फॉन्ट कर्न्वटर, विभिन्न फोन्ट, वॉइस टाइपिंग आदि कई बिंदुओं पर सभी को मार्गदर्शित किया।

श्री नरेन्द्र कुमार प्रसाद जी ने फोन्ट कर्न्वटर से सत्र का आरंभ करते हुए सभी के साथ विभिन्न हिंदी फोन्ट यथा रेमिंगटन, इनस्क्रीप्ट, फोनेटिक आदि का परिचय देते हुए वॉइस टाइपिंग किस प्रकार कार्य करता है इसका डेमो विस्तार के साथ समझाया।

तत्पश्चात, कंठस्थ सॉफ्टवेयर के संबंध में भी जानकारी साझा करते हुए इसके भविष्यिक लाभों को भी चिन्हित किया। आमंत्रित वक्ता महोदय ने अनुवाद करते हुए दोनों भाषाओं पर समान अधिकार का महत्व पर सभी के साथ अपने विचार साझा किए। साथ ही, लिप्यांतरण और अनुवाद के अंतर को भी बहुत ही सरलता से स्पष्ट करते हुए यह भी बताया कि हिंदी कंप्यूटर की डिफोल्ट लैंग्वेज हो सकती है।

फोन्ट कर्न्वटर पर मार्गदर्शन करते हुए।

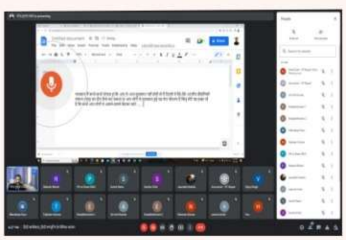

वॉइस टाइपिंग पर जानकारी देते हुए

इस कार्यशाला के अंतिम चरण में, संस्थान के हिंदी अनुवादक डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित करते हुए श्री नरेन्द्र कुमार प्रसाद जी का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा सभी उपस्थितों को भी धन्यवाद किया। डॉ. गिरीश ने अपने विचार साझा करते हुए श्री नरेन्द्र कुमार प्रसाद जी को अपना मार्गदर्शन इसी प्रकार संस्थान सदस्यों को प्रदान करने की अभिलाषा व्यक्त की। इस कार्यशाला का संचालन डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे, हिंदी अनुवादक ने किया।

संस्थान की प्रशिक्षण उपलब्धियाँ

हिंदी भाषा प्रशिक्षण (जुलाई 2022 से नवंबर 2022)

हिंदी शिक्षण योजना, नई दिल्ली द्वारा आयोजित हिंदी भाषा प्रशिक्षण (हिंदी पारंगत) पत्राचार प्रशिक्षण का जुलाई-नवंबर 2022 सत्र की माह नवंबर 2022 में संपन्न परीक्षा में संस्थान के निम्न तीन सदस्य उत्तीर्ण हुए।

सुश्री मनदीप कौर,
कनि. सहायक, स्थापना अनुभाग

सुश्री साक्षी कपूर,
कनि. सहायक, भंडार एवं क्रय अनुभाग

सुश्री पूनम रानी,
कनि. अधीक्षक, स्थापना अनुभाग

हिंदी भाषा प्रशिक्षण की जनवरी-मई 2022 सत्र की पूरक परीक्षा माह नवंबर 2022 में संपन्न में उत्तीर्ण सदस्य

श्री सौरभ भाटिया,
कनि. सहायक, भंडार एवं क्रय

चल रहे राजभाषा प्रशिक्षण

हिंदी टाइपिंग प्रशिक्षण

केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली द्वारा संचालित हिंदी टाइपिंग एवं आशुलिपि प्रशिक्षण के सत्र अगस्त 2022 से जनवरी 2023 के सत्र में संस्थान के कुल 10 कर्मचारी सदस्य पंजीकृत हुए है। इस सत्र में सुश्री नेहा डण्ढारे (वरि. सहायक), श्री समनेन्द्र सिंह (कनि. अधीक्षक), सुश्री भावना भाटिया (कनि. सहायक), सुश्री परविंदर कौर (कनि. सहायक), सुश्री साक्षी कपूर (कनि. सहायक), श्री सरबजीत सिंह (कनि. परिचारक), श्री दलजीत सिंह सैनी (वरि. सहायक), श्री मनोज कुमार (कनि. सहायक), श्री गगनदीप सिंह (कनि. सहायक) तथा श्री विजय कुमार (अधीक्षक) इस प्रशिक्षण का लाभ ले रहे है।

यह सदस्य जनवरी 2023 को हिंदी टंकण एवं आशुलिपि प्रशिक्षण केंद्र चण्डीगढ़ में आयोजित की जा रही परीक्षा में सहभागी होंगे।

एक संकाय के रूप में आगे बढ़ते हुए – नव कार्यग्रहण

डॉ. राजीव कुमार
सहायक प्राध्यापक
धातुकी एवं पदार्थ अभियांत्रिकी

डॉ. संतोष कुमार मीणा
सहायक प्राध्यापक
धातुकी एवं पदार्थ अभियांत्रिकी

नियमित कर्मचारी के रुप में आगे बढ़ते हुए – नव कार्यग्रहण

श्री प्रदीप कुमार
उपकुलसचिव

श्री मुकेश कुमार
उपकुलसचिव

अनुबंध कर्मचारी के रुप में आगे बढ़ते हुए

श्री विशाल राणा
परियोजना प्रशिक्षार्थी
(सू. प्रौ.)
सूचना प्रौद्योगिकी अनुभाग

श्री उमेश
परियोजना प्रशिक्षार्थी
(सू. प्रौ.)
सूचना प्रौद्योगिकी अनुभाग

सुश्री सपना रानी
परियोजना सहायक (प्रशिक्षार्थी)
अनुसंधान एवं विकास

श्री सतबीर सिंह
परियोजना सहायक
(लेखा एवं क्रय)
अनुसंधान एवं विकास

संरक्षक संपादक
प्रो. राजीव आहूजा
निदेशक,
भा.प्रौ.सं.रोपड़

परामर्शदाता संपादक
डॉ. अभिषेक तिवारी
संकाय प्रभारी (हिन्दी)

श्री लगवीश कुमार
हिन्दी अधिकारी तथा संयुक्त कुलसचिव
भा.प्रौ.सं.रोपड़

संपादक
डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे
हिन्दी अनुवादक,
भा.प्रौ.सं.रोपड़

अभिकल्प, प्रकाशन एवं मुद्रण
सुश्री प्रीतेंदर कौर
जनसंपर्क अधिकारी, भा.प्रौ.सं.रोपड़
संपादन सहयोग
श्री ऋतभ किशोर
छात्र समन्वयक (संगम पत्रिका),
पीएच. डी. शोधार्थी, यांत्रिक अभि. विभाग, भा.प्रौ.सं.रोपड़